Title: Need to run a train from Mumbai to Pandharpur - Sangola in Maharashtra.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण): पंढरपुर यात्रा का हिंदुओं में काफी महत्व है और तीर्थ स्थल विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर यहाँ स्थित है। पिछले सात सौ वर्षों से महाराष्ट्र के पंढरपुर में आषाढ़ महीने की शुक्ल एकादशी के पावन अवसर पर इस प्रसिद्ध मंदिर में महायात्रा का आयोजन होता है जिसमे देश और विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। पंढरपुर की वारी, अर्थात् पंढरपुर में विराजमान भगवान विठोबा के दर्शन की यात्रा पैदल की जाती है और इस यात्रा में सम्मिलित होने वाले यात्री वारकरी कहलाते हैं। मुंबई और आस पास के जिलों में लाखों के संख्या में वरकारी संप्रदाय के श्रदालु निवास करते है जो इस मंदिर में पूजा करने के लिए पंढरपुर तक यात्रा करते है। वर्तमान में मुंबई से पंढरपुर तक प्रतिदिन चलने वाली कोई रेलगाड़ी नहीं है और श्रद्धालुओं को सड़क के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है। पंढरपुर के महत्त्व और श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए मेरा सरकार से निवेदन है कि प्रतिदिन मुंबई से पंढरपुर-सांगोला के बीच विट्ठल रुक्मिणी एक्सप्रेस नाम के ट्रैन की शुरुआत की जाए जिससे लाखों श्रद्धालुओं को विट्ठल भगवान के मंदिर में प्रार्थना करने का सौभाग्य मिले और इस ट्रैन का ठहराव दादर, ठाणे, कल्याण, कर्जत, लोनावला, पुणे, दौंड और कुर्डुवाडी स्टेशन पर दिया जाए।